19	द्वार्वती द्वारिका स्या-
20	द्रिषधा तु नलस्य पूः।
21	प्राकारे। वर्णाः साले
22	वया वप्रा रस्य पीठमूः ॥ ६८० ॥
23	प्राकारायं किपशीर्ष
24	न्तीमार्ग्यालकाः समाः।
25	पूर्वारे गोपुरं
26	र्थ्याप्रतालीविशिखाः समाः ॥ ६८१ ॥
27	पश्किरं किस्तिनावी नगरद्वार्क्टके।
28	मुखं निःसर्णे
29	वारे प्राचीनावेष्टकी वृतिः ॥ १८२ ॥
	पद्व्येकपदी पद्या पद्भतिर्वर्त्म वर्तनी ।
31	म्रयनं सर्गिर्मार्गा पद्मा पन्या निगमः सृतिः ॥ १८३॥
	सत्पर्ध स्वितितः पन्धा
33	म्रपन्धा म्रपद्यं समे।
34	व्यद्या द्वा विषयं कापयं च सः ॥ ६८४ ॥
	प्रात्तरं द्राष्ट्रप्रेची पद्या
· Lotable	9. Dvårikå (2 W.). – 20. Nishadhå. – 21. Wall von auf- orfener Erde (3 W.). – 22. Die Erde, welche dem Wall als
COLL PERS	dlage dient (2 W.) 23. Der obere Theil eines Walles
	7). — 24. Thurm auf einem Walle (3 W.). — 25. Stadtthor
JEST DATE	V.). — 26. Landstrasse (3 W). — 27. Schutzwehr eines Stadt-
(4 V	(2 W.). — 28. Hausthür (2 W.). — 29. Eingeschlossener Platz V.). — 30. 31. Weg (13 W.). — 32. Guter Weg (3 W.). —
	Vichtvorhandensein von Wegen (2 W.) 34 Schlechter Weg

(5 W.). — 35. Langer einsamer Weg.